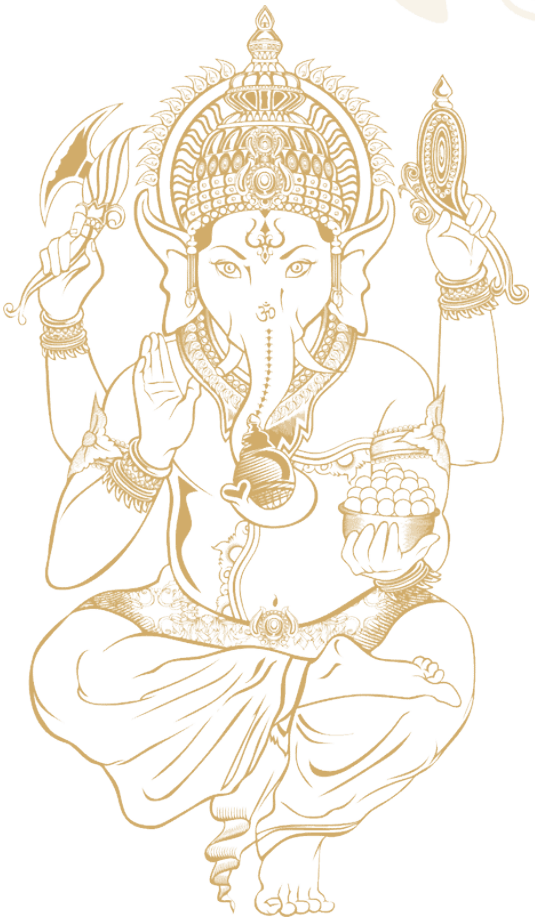

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121218804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/07/1993	जन्म तिथि	26/10/1997
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 22:20:00	जन्म समय	08:18:00 घंटे
घटी 42:19:53	जन्म समय(घटी)	04:18:41 घटी
India	देश	India
Ropar	स्थान	Nawashahr
30:59:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
76:31:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:56	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:02	सूर्योदय	06:36:07
19:31:17	सूर्यास्त	17:42:24
23:46:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:31

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 6मा 19दि		05:47:31	कुंभ	लग्न	तुला	29:31:01	केतु 1वर्ष 2मा 20दि	
शुक्र		16:04:42	मिथु	सूर्य	तुला	08:53:49	चन्द्र	
20/01/2016		17:48:04	वृश्चि	चंद्र	सिंह	11:00:08	15/01/2025	
20/01/2036		11:05:54	सिंह	मंगल	वृश्चि	25:40:35	16/01/2035	
शुक्र	22/05/2019	04:29:11	कर्क व	बुध	तुला	16:50:20	चन्द्र	16/11/2025
सूर्य	21/05/2020	12:20:45	कन्या	गुरु	मक	18:47:42	मंगल	17/06/2026
चन्द्र	20/01/2022	01:36:44	वृष	शुक्र	वृश्चि	25:33:30	राहु	17/12/2027
मंगल	22/03/2023	06:11:05	कुंभ व	शनि व	मीन	21:51:11	गुरु	17/04/2029
राहु	21/03/2026	18:17:54	वृश्चि	राहु	सिंह	25:12:29	शनि	16/11/2030
गुरु	19/11/2028	18:17:54	वृष	केतु	कुंभ	25:12:29	बुध	16/04/2032
शनि	20/01/2032	26:52:18	धनु व	हर्ष	मक	10:58:10	केतु	15/11/2032
बुध	20/11/2034	26:16:30	धनु व	नेप	मक	03:26:09	शुक्र	17/07/2034
केतु	20/01/2036	29:13:32	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	10:24:46	सूर्य	16/01/2035

लग्न-चलित

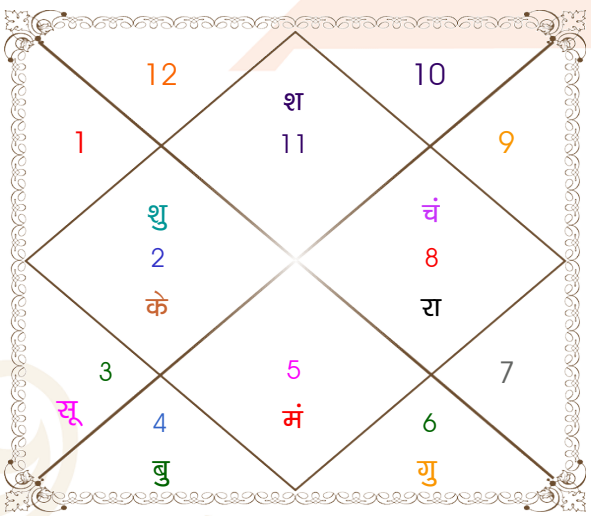

लग्न-चलित

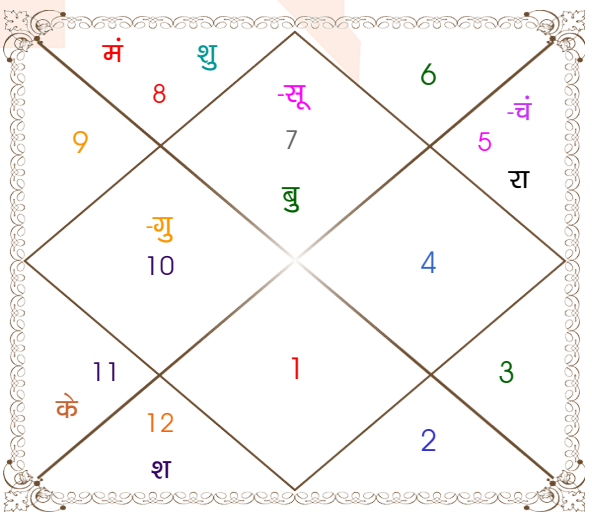

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.00		

M का वर्ग सर्प है तथा F का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

F मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु F कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।